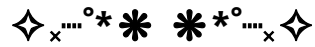




श्री नाथ जी की संध्या आरती

Shri Nathji Sandhya Aarti – Gorakhnath Math



॥ श्री नाथ जी की संध्या आरती ॥

ॐ गुरुजी शिव जय जय गोरक्ष देवा । श्री अवधू हर हर गोरक्ष देवा ।
सुर नर मुनि जन ध्यावत, सुर नर मुनि जन सेवत ।
सिद्ध करै सब सेवा, श्री अवधू संत करै सब सेवा ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ॐ गुरुजी योग युगति कर जानत मानत ब्रह्म ज्ञानी ।
श्री अवधू मानत सर्व ज्ञानी ।
सिद्ध शिरोमणि राजत संत शिरोमणि साजत ।
गोरक्ष गुण ज्ञानी, श्री अवधू गोरक्ष सर्व ज्ञानी ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ॐ गुरुजी ज्ञान ध्यान के धारी गुरु सब के हो हितकारी ।
श्री अवधू सब के हो सुखकारी ।
गो इन्द्रियों के रक्षक सर्व इन्द्रियों के पालक ।
राखत सुध सारी, श्री अवधू राखत सुध सारी ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ॐ गुरु जी रमते श्रीराम सकल युग माही छाया है नाहीं ।
श्री अवधू माया है नाहीं ।
घट घट के गोरक्ष व्यापै सर्व घट श्री नाथ जी विराजत ।
सो लक्ष मन मांही श्री अवधू सो लक्ष दिल मांही ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ॐ गुरुजी भस्मी गुरु लसत सरजनी है अंगे ।
श्री अवधू जननी है संगे ।
वेद उच्चारे सो जानत योग विचारे सो मानत ।
योगी गुरु बहुरंगा श्री अवधू बोले गोरक्ष सर्व संगे ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ॐ गुरु जी कंठ विराजत सेली और श्रृंगी जत मत सुखी बेली ।
श्री अवधू जत सत सुख बेली ।
भगवा कंथा सोहत-गेरुवा अंचला सोहत ज्ञान रतन थैली ।
श्री अवधू योग युगति झोली ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ॐ गुरु जी कानों में कुण्डल राजत साजत रवि चन्द्रमा ।
श्री अवधू सोहत मस्तक चन्द्रमा ।
बाजत श्रृंगी नादा-गुरु बाजत अनहद नादा-गुरु भाजत दुःख द्वन्दा ।
श्री अवधू नाशत सर्व संशय
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ॐ गुरु जी निद्रा मारो गुरु काल संहारो-संकट के हो बैरी
श्री अवधू दुष्टन के हो बैरी
करो कृपा सन्तन पर-गुरु दया पालो भक्तन पर शरणागत तुम्हारी
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ॐ गुरु जी इतनी श्रीनाथ जी की संध्या आरती
निश दिन जो गावे-श्री अवधू सर्व दिन रट गावे
वर्णी राजा रामचन्द्र स्वामी गुरु जपे राजा रामचन्द्र योगी
मनवांछित फल पावे श्री अवधू सुख सम्पत्ति फल पावे ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥



॥ Shri Nathji Sandhya Aarti ॥

Om Guruji Shiv jai jai Goraksha Deva | Shri Avadhu har har Goraksha
Deva |

Sur nar muni jan dhyaat, sur nar muni jan sevat |
Siddh karai sab seva, Shri Avadhu sant karai sab seva |
Shiv jai jai Goraksha Deva ॥

Om Guruji Yog yugati kar jaanat maanat brahm gyani |
Shri Avadhu maanat sarv gyani |
Siddh shiromani raajat sant shiromani saajat |
Goraksha gun gyani, Shri Avadhu Goraksha sarv gyani |
Shiv jai jai Goraksha Deva ॥

Om Guruji Gyan dhyaan ke dhaari guru sab ke ho hitkaari |
Shri Avadhu sab ke ho sukhkaari |
Go indriyon ke rakshak sarv indriyon ke paalak |
Raakhat sudh saari, Shri Avadhu raakhat sudh saari |
Shiv jai jai Goraksha Deva ॥

Om Guruji ramte Shri Ram sakal yug maahi chaaya hai naahi |
Shri Avadhu maya hai naahi |
Ghat ghat ke Goraksha vyaapai sarv ghat Shri Nath ji virajat |
So laksh man maanhi Shri Avadhu so laksh dil maanhi |
Shiv jai jai Goraksha Deva ॥

Om Guruji bhasmi guru lasat sarajani hai ange |
Shri Avadhu jananee hai sange |
Ved uchhaare so jaanat yog vichaare so maanat |
Yogi guru bahuranga Shri Avadhu bole Goraksha sarv sanga |

Shiv jai jai Goraksha Deva ॥

Om Guruji kanth virajat seli aur shrungi jat mat sukhi beli |

Shri Avadhu jat sat sukh beli |

Bhagwa kantha sohat-geruva anchala sohat gyan ratan thaili |

Shri Avadhu yog yugati jholi |

Shiv jai jai Goraksha Deva ॥

Om Guruji kanon mein kundal rajat sajat ravi chandrama |

Shri Avadhu sohat mastak chandrama |

Baajat shrungi nada-guru baajat anahad nada-guru bhajat dukh dvanda |

Shri Avadhu naashat sarv sanshay |

Shiv jai jai Goraksha Deva ॥

Om Guruji nidra maaro guru kaal sanharo-sankat ke ho bairi |

Shri Avadhu dushtan ke ho bairi |

Karo kripa santan par-guru daya palo bhaktan par sharanagat tumhaari |

Shiv jai jai Goraksha Deva ॥

Om Guruji itni Shrinath Ji ki sandhya aarti |

Nish din jo gaave-Shri Avadhu sarv din rat gaave |

Varni raja Ramchandra swami guru jape Raja Ramchandra yogi |

Manvaanchhit phal paave Shri Avadhu sukh sampatti phal paave |

Shiv jai jai Goraksha Deva ॥



Free download PDF of all types of mantra, stotram, vandana, arati: chalisapdf.net